



भूगोल (वैकल्पिक विषय)
(भू-आकृति विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मानव भूगोल में संदर्श,
मॉडल, सिद्धांत एवं नियम और जैव भूगोल)

8 Test

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (J-S)-M-G1

Name: सुनिल कुमार धमवत्रा Mobile Number: [REDACTED]
Medium (English/Hindi): हिन्दी Reg. Number: _____
Center & Date: 21 जून, 2019 UPSC Roll No. (If allotted): 07815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रायिक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रायिक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देंगिये।
प्रायिक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उन्नीस भाष्य में लिखें याने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस भाष्य का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (म्स.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित भाष्य के अतिरिक्त अन्य किसी भाष्य में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्र/समन्वित्तों तथा आँकों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनायें हैं।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमबद्धता से की जाएगी। यदि कदा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर को गणना की जाएगी जहाँ वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से कटाया जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	5	6.5	6.5	7	5.5	30.5	5	4	6	0	4.5	0	14.5
2	8.5	12	9.5			30.00	6	9.5	11	10			30.5
3							7	9	5	8.5			22.5
4							8						
सकल योग (Grand Total)												128	

(124)

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)



Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)
-

- 1) हमर लेखन शैली के सभी पक्षों में आपका प्रदर्शन अच्छा है।
- 2) पिछले के समुचित उद्योग से अनुसंधान बेहतर हो गया है।
- 3) कुछ उद्देश्यों के हमर में थोड़ी निराशा हुई है, जिसे आप आसानी से डूर कर पाएंगे।

खण्ड - क / SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

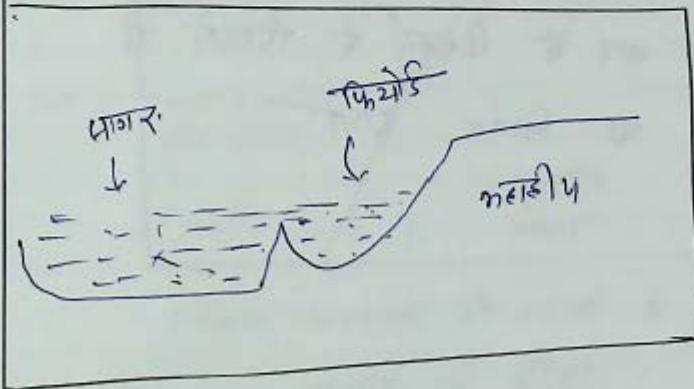
10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) फियोर्ड स्थलाकृति क्या है? इनकी उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

What are Fjords topography? Briefly discuss various opinions about their evolution.

फियोर्ड एक नरीप स्थलाकृति है जो मुख्य रूप से शीत क्षेत्रों में पाई जाती है तथा जलमय निर्माण बर्फ के पिघलने से होता है यह एक खाई की तरह होती है जो महादीप और महासागर की जोड़ती है यह मुख्य रूप से नार्वेजियन देशों, ग्रीनलैंड इत्यादि स्थानों पर पाई जाती है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निर्माण के प्रमुख भ्रम:

→ प्लीस्टोसीन काल में खर्क के जमने के बाद खार्ड का निर्माण तथा उसके बाद खार्ड में खर्क का ~~निर्माण~~ के पिघलने से फिफोर्ड का निर्माण हुआ।

→ सगुनी गड्ढों द्वारा अपरदन से खार्ड का निर्माण

→ अंशान व विपत्तियों द्वारा खार्ड का निर्माण बाद में हिमनद के पिघलने से फिफोर्ड का निर्माण हुआ।

शुरुआत की एवं विज्ञान पर ध्यान दें।

5

कृपया इस स्थान में प्रश्न सख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) महासागरों में "हैलोकलाइन जोन" से क्या तात्पर्य है? क्या महासागरों में गहराई के साथ-साथ लवणता में परिवर्तन का कोई निश्चित नियम है?

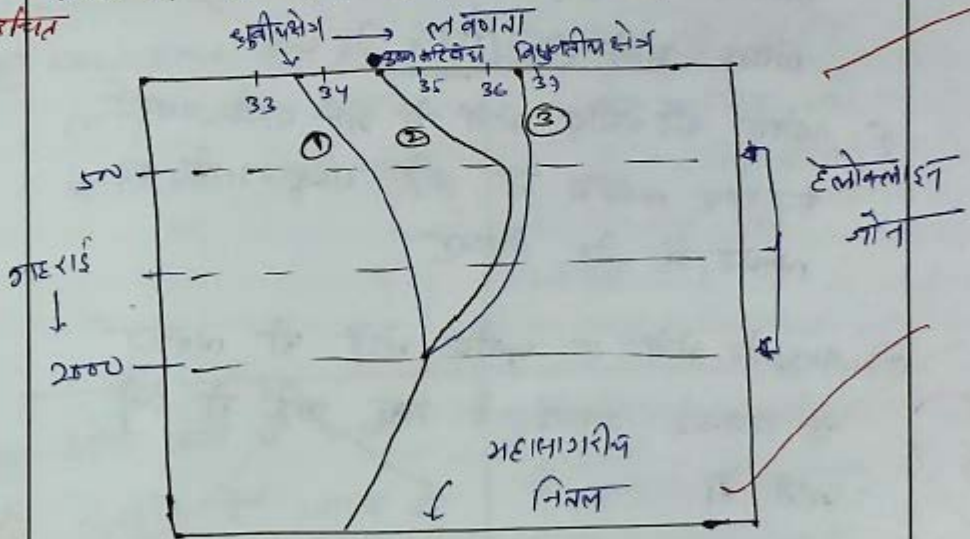
What is "Halocline zone" in the oceans? Is there any definite rule behind variation in salinity with respect to depth of oceans?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

लवणता में तीव्र परिवर्तन लिखना सही होगा।

महासागर की सतह (sea level) के नीचे वह जोन जहां लवणता में गिरावट देखने को मिलती है उसे हैलोकलाइन जोन कहा जाता है। सामान्यतः यह 500 मी. से 2000 मी. के बीच पाया जाता है।



निष्कर्ष: महासागर की गहराई के साथ लवणता में परिवर्तन

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महात्मा गांधी के लाख लाख लक्षणा परिवर्तन के लिए किली निम्नलिखित सिद्धांत का प्रतिपादन नहीं किया जा सका है। परन्तु कुछ सिद्धांत निम्नलिखित हैं:-

(i) विषुवकीय क्षेत्रों में कुछ गहराई तक पहले लक्षणा में वृद्धि होती है फिर उसके बाद गिरावट आती है। (ग्राफ 1)

(ii) उपोष्ण करिबन्धीय क्षेत्रों में भी पहले गहराई के साथ लक्षणा में वृद्धि परन्तु उसके बाद लक्षणा में तीव्र गिरावट

(iii) अर्धशीतोष्ण क्षेत्रों व ध्रुवीय क्षेत्रों की लक्षणा में सामान्य गहराई के साथ वृद्धि ही देखी जाती है।

(iv) महासागरीय निकल पर सभी अक्षांशों की लक्षणा समान होती है।

good

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एयरी व प्रॉट की भू-संतुलन संबंधी अवधारणाओं में विभेद कीजिये।

Discuss the differences between Airy and Pratt's concepts of geostasy.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के ऊपर उहे भागों व नीचे धंसे भागों के बीच आस्र यांत्रिक संतुलन की भू-संतुलन कहते हैं।

एयरी की अवधारणा	प्रॉट की अवधारणा
① SIAL .SIMA पर तैर रहा है अर्थात् तैराव के सिद्धांत को मान्यता	① तैराव के सिद्धांत को मान्यता नहीं दी (आवृत्ति प्रतिरोध के सिद्धांत को मान्यता दी)
② इन्होंने पृथ्वी के लक्ष्मी भूभागों के घनत्व की समान माना तथा उनकी गहराई को अलग-अलग माना	② पृथ्वी के भूभागों के घनत्व को अलग-अलग माना गहराई को एक समान माना

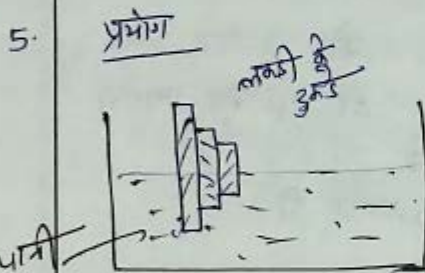
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

Bigger the column,
more depth. अर्थात्

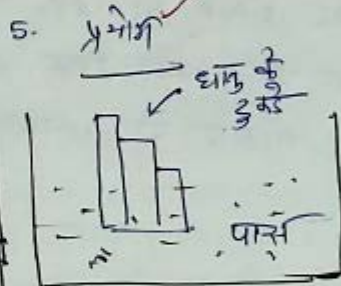
जितना ~~बड़ा~~ ऊँचा खण्ड
उतनी गहराई भी
उतनी ज्यादा

4. ~~जड़ की गहराई~~ ~~अपलावन~~
बल में विश्वास



Bigger the column,
lesser the density
अर्थात् जितना ऊँचा खण्ड
उतना घनत्व उतना ही
रहता

4. विश्वास नहीं
(क्षमिता तल में
निश्चय)



6.5

एक संक्षिप्त निवर्तक दिया जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

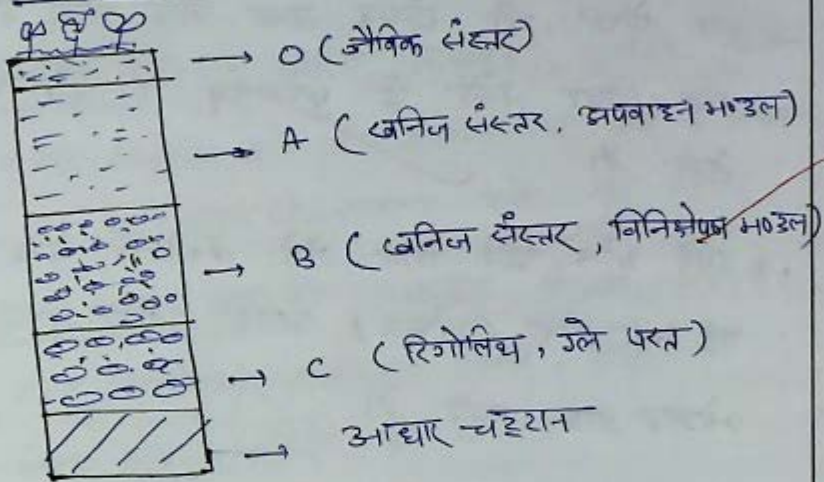
(d) मृदा परिच्छेदिका को परिभाषित करें तथा बताएँ कि क्यों ऊपरी मृदा अत्यधिक महत्वपूर्ण है?

Define soil profile and explain why top soil is of utmost importance?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी की सतह तथा आद्या चट्टान के बीच मृदा के उद्भव काट को ~~समझते~~ हम से मृदा की परिच्छेदिका कहा जाता है।



चित्र: मृदा परिच्छेदिका

मृदा मुख्यतः दो प्रकार की होती है

- ऊपरी मृदा (top soil)
- उपमृदा (subsoil)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या में अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्विपरी श्रद्धा में भ्रूखण्ड त्व से जैविक परत व जैविक संस्तर को शामिल किया जाता है।

प्रश्न

→ यह पौधों की पोषक तत्व प्रदान करती है तथा पोषक तत्वों की पुनर्प्राप्ति में सहायक होती है।

→ इसके अनेक छोटे जीव जैसे बैक्टीरिया, कवक व अन्य जीव (इंसेक्टा) अपना आहार व भोजन प्राप्त करते हैं।

→ फसलों की उत्पादन में सहायक → जायदा
सुखा

→ भूमिगत जल प्रदूषण से रोकथाम

good



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) विश्व में वनस्पति के वितरण के लिये कौन-से कारक महत्वपूर्ण हैं?

Which factors are important for the distribution of vegetation across the globe?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विश्व में वनस्पति का वितरण अलग-अलग है जिसके लिए अनेक कारक जिम्मेदार हैं। उनके से प्रमुख निम्नलिखित हैं।

(i) जलवायु कारक - आर्द्रता, तापमान, ध्रुवीय, वर्षा
→ जैसे विषुवतीय वनों में उष्णमान व वर्षा के अधिक होने के कारण घने सदाबहार वनों का विकास

(ii) भूदा कारक - भूदा की पारगम्यता, रंध्रता, संरचना, गठन (texture), जलधारण क्षमता, भूदा के पोषक तत्व, खनिजों की मात्रा

(iii) भौतिक कारक - भूतल द्वारा वनों का कटाव, वीजों का वितरण, ~~इत्यादि~~ वनाग्नि इत्यादि

(iv) जैविक कारक - जीवों द्वारा वीजों का विसरण, परागण, ~~इत्यादि~~

(v) विकीर्णिकी कारक - जो पृथ्वी के अलग-अलग

समुद्र तल से ऊँचाई तथा पवन प्रक्षिप्ता की भी पर्याप्त करना बेहतर होगा।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हो जाने के वहां की वनस्पति में काफी बदलाव आता है। जैसे जब भारत अफ्रीका से मिलान था तो वनस्पति दोनों क्षेत्रों की काफी समान थी परन्तु ~~कालग~~ होने के पश्चात काफी अलग हो चुकी है।

5.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) "पृथ्वी की सतह पर वर्तमान में विद्यमान अधिकतम भू-आकृतिक विशेषताएँ प्लीस्टोसीन काल से उद्भूत हैं।" व्याख्या कीजिये। 15
- "Most of the geomorphic features on the surface of earth today belong to Pleistocene period". Elaborate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रो. चार्नबरी भरोहर ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल की भू-आकृतियों के अध्ययन के बिना वर्तमान भू-आकृतियों के विकास का अध्ययन अधूरा होगा। इस कथन से प्लीस्टोसीन काल की भू-आकृतियों का महत्व जाना होता है।

पृथ्वी पर प्लीस्टोसीन काल की अनेक स्थलाकृतियाँ मौजूद हैं जो इस प्रकार हैं-

- (i) भारतीय उत्तर का विशाल मैदान - हिमालय की नदियों के लिए जो अवसादों के निरंतर जमाव के कारण इस विशाल मैदान का निर्माण हुआ जो सिन्धु नदी से लेकर बंगाल और ब्रह्मपुत्र के मैदान तक विस्तृत है।

- (ii) 'भरे' ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल के हिमयुग के कारण महासागरों में ~~अवसादों~~ प्लेस्टरम का निर्माण हुआ जिसमें वाद में

प्लीस्टोसीन काल की अवधि तथा हिमयुग की जमावत एवं उदघातन के कारण संश्लेषण एवं पर्वत कल्पों से उत्पन्न और वेस्टर हो सकता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रवाल भित्ति का उद्भव माना जाता है।

(iii) धार का भूस्थल - पहले यहां पर एक समुद्र व्याघ्र था जिसके बाद धीरे-धीरे जलवायु परिवर्तन के कारण धार के भूस्थल का निर्माण हुआ।

(iv) भारतीय तटों का निर्माण भी प्लीस्टोसीन युग की देन माना जाता है।

(v) इंदी के साथ हिमालय की पठारी श्रंखलाओं का निर्माण भी इंदी काल का माना जाता है।

(vi) पृथ्वी पर स्थित अनेक 'द्विचोर्ड' का निर्माण भी इंदी काल का माना जाता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) भ्रष्ट आलोचिक चरम का निर्माण भी विद्वानों द्वारा इसी युग का माना जाता है।

इसलिए स्पष्ट है कि प्रची पर अनेक स्थलाकृतियों का निर्माण प्लीस्टोसीन काल की देन है जिसकी अपनी विशिष्टता है।

8.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

- (b) ज्वालामुखियों का वैश्विक वितरण स्पष्ट करते हुए समझाएँ कि किस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ज्वालामुखीयता की व्याख्या करता है। 20
- Giving an account of distribution of volcanoes across the globe, elucidate how plate tectonic theory explains the phenomenon of volcanism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा का संचरणी की तरह पर जिस छिद्र से आगमन होता है उसे ज्वालामुखी कहते हैं। विश्व के समस्त भू-भाग पर ज्वालामुखियों का वितरण असमान है।

ज्वालामुखियों का वितरण

- (1) पेरि-प्रशांत मेखला - यह यह पेंटी प्रशांत महासागर के किनारों के सहारे फैली है जहाँ विश्व के लगभग 68% भूकंप देखने को मिलते हैं। उत्तरी अमेरिकी प्लेट तथा दक्षिणी अमेरिकी प्लेट के प्रशांत महासागरीय प्लेट से टकराने से ज्वालामुखी देखने को मिलती है। इसी प्रकार प्रशांत महासागरीय प्लेट के फिलिपिन्स प्लेट से टकराने पर भी ज्वालामुखी देखने को मिलती है। ज्वालामुखियों की अधिकता

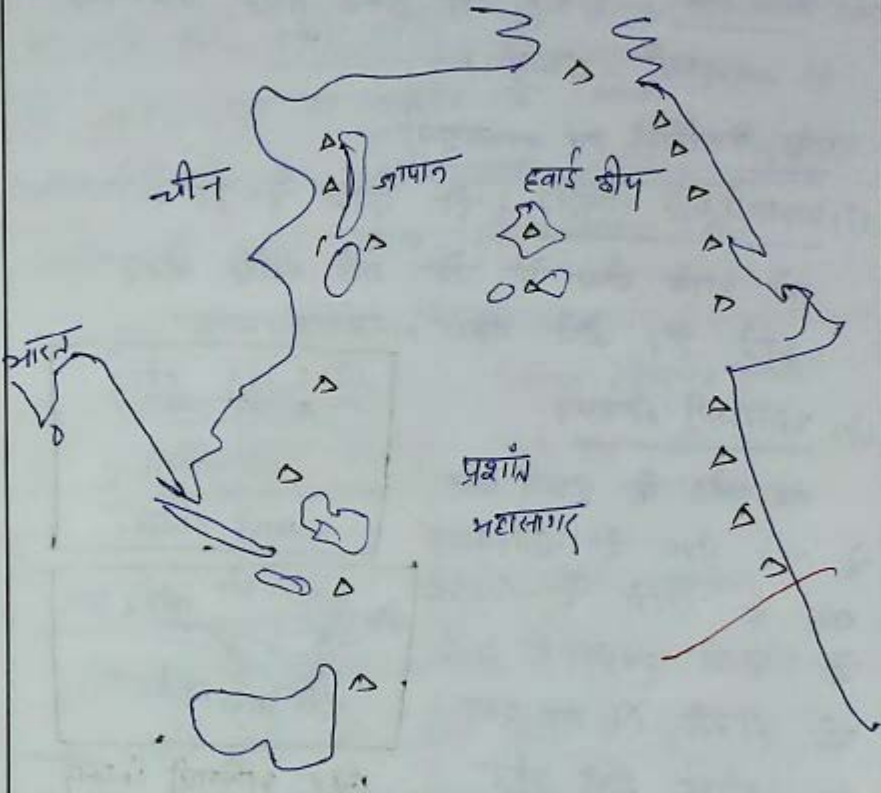
उपरोक्त
संक्षिप्त
लिखा जा
सकता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के कारण इस क्षेत्र को 'रिंग ऑफ़ फ़ायर' की संज्ञा भी दी जाती है।



Δ- ज्वालामुखी क्षेत्र

(ii) अधुनिक महाद्वीपीय मैखला . इनमें आल्प्स पर्वत श्रृंखला से लेकर हिमालय तक का क्षेत्र सम्मिलित है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

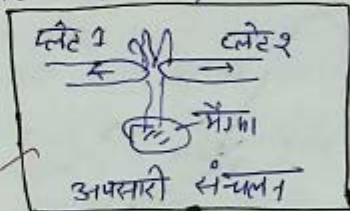
(Please don't write anything in this space)

(iii) मध्य अटलांटिक कटक : अटलांटिक महासागर में ~~मध्य~~ कीच में छोटों के अभिसरण से ज्वालामुखी देखने को मिलती हैं।

(iv) अन्ध क्षेत्र - अफ्रीका की रिफ्ट घाटी, अंतराफ्लेट ज्वालामुखी इत्यादि।

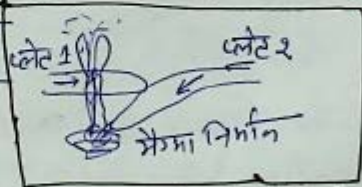
प्लेट विवर्तनी एवं ज्वालामुखी :

(i) अपसारी प्लेट संचलन : दो प्लेटों के दूर जाने से उनके बीच में से गर्म पदार्थ बाहर आते हैं। जैसे मध्य अटलांटिक कटक



(ii) अभिसारी संचलन :

एक प्लेट के दूसरी प्लेट के नीचे क्षेपण के फलस्वरूप प्लेट के हिस्से के पिघलने के कारण ज्वालामुखी देखने को मिलती हैं। इस प्रकार के उदाहरण शंकी पर्वत एवं हॉडीज पर्वत के पास देखने को मिलते हैं।



चित्र: अभिसारी संचलन

ज्ञात: स्पष्ट है कि ज्वालामुखीना का प्लेट विवर्तनी के साथ गहरा संबंध है।

12

good

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) किस प्रकार ज्वार-भाटे का 'स्थिर तरंग सिद्धांत', इसके 'प्रगामी तरंग सिद्धांत' की कमियों में सुधार करता है? 15

How does 'stationary wave theory' of tide rectify the limitations of 'progressive wave theory'? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समुद्र के जल की उर्ध्वाचल गिरा में जति को 'ज्वार-भाटा' की संज्ञा दी जाती है। ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के संबंध में अनेक विद्वानों ने अपने मत प्रस्तुत किए हैं; जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं-

- (i) - ब्रूकन का संतुलन सिद्धांत
- (ii) प्रगामी तरंग सिद्धांत - विलियम डेवेल व एथरी
- (iii) अप्रगामी तरंग सिद्धांत - हेंरी हेल

प्रगामी तरंग सिद्धांत : इसके अनुसार सर्वप्रथम गुरुत्वाकर्षण के कारण दक्षिणी भाग में लहरों की उत्पत्ति होती है जो पृथ्वी के घूर्णन व चंद्रमा की पश्चिम से पूर्व की परिभ्रमण के कारण पूर्व से पश्चिम की ओर गति करती हैं।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अहादीपीप तट से उम्मावे के पञ्चात
 इस तरंग की दिशा उत्तर की ओर ले जाती
 है। जब यह तरंग तट पर पहुँचती है तो उसके
 अंग को ज्वार नचा गत को भाटा की संज्ञा
 दी जाती है।

उत्तर-पश्चिम
 की ओर

परन्तु इसकी आलोचना में कहा गया कि -

- (i) प्रगाप्ती तरंग लिङ्गत के अनुसार उत्तर दिशा की ओर जाने पर तरंग की तीव्रता में कमी के कारण ज्वार की ड्रैफ्ट में कमी आती है परन्तु संसार के सबसे बड़े डेल्टा ज्वार 'फ्रांसी की खाड़ी' में आते हैं।
- (ii) प्रगाप्ती तरंग लिङ्गत में बताया गया है कि एक ही क्षेत्रांतर पर स्थित अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग समय पर ज्वार आते हैं परन्तु यूरोप के पश्चिमी तटों पर

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अनेक स्थानों पर एक ही साध ज्वार देखने का मिलने है।

इसी क्रमियों को बुझाने के लिए अग्रगामी तरंग सिद्धांत में कहा गया कि ज्वार-भाटा स्थानीय परिघटना है जो जलीप स्रोत में चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से उत्पन्न शक्ति की परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है। ज्वार-भाटा की प्रकृति जल स्रोत (सागर) की गहराई, तट की आकृति इत्यादि पर निर्भर करती है। ज्वार गहरे एवं संकरे सागर में ज्वारा ऊँचे ज्वार देखने को मिलते हैं। इस फाटी की खाड़ी

इस प्रकार अग्रगामी तरंग सिद्धांत ने प्रगामी तरंग सिद्धांत से अनेक त्रुटियों को दूर करने का कार्य किया।

9.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अंकित न करें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) भूगोल में 'मानवतावादी उपागम' पर चर्चा से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'humanistic approach' in Geography?

भूगोल में मानवीय चेतना, लोच एवं विचारों को मान्यता देने वाले उपागम को मानवतावादी उपागम की संज्ञा दी जाती है।

सांस्कृतिक क्रांति में केवल आर्थिक व आंकड़ों के विश्लेषण पर जोर दिया गया तथा मानव के महत्व को अनदेखा किया गया जिसकी वजह से अधमानता, गरीबी, शोच, पश्चिमी प्रदूषण वृद्धि को भिन्ना। इसी के विरोध में मानवतावादी उपागम को प्रारंभ किया गया।

सर्वप्रथम भूगोलवेत्ता 'ड्रिक्त' ने मानवतावादी विचार व्यक्त किए जिन्होंने 'मी फ्रु तुआरी' में अपने विस्तृत अध्ययन व शोध के माध्यम

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दो विचारों को विकसित किया।

तुझने ने मानवीय क्रियाकलापों को विचारों का भौगोलिक अदृश्य पर प्रभाव का विश्लेषण किया।

मानवशास्त्रीय भूगोल के अंतर्गत अनेक दृष्टिकोणों की पहचानें विकसित हुईं -

- ① दृश्यमान विधि (Phenomenal Approach)
- ② आदर्शवादी विधि (Idealistic Approach)

वर्तमान में यह उपागत मानव कलाकारों को मानव भूगोल में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सफल रहा है।

उपरोक्त में मानवशास्त्रीय दृष्टिकोणों की अपेक्षा की गई है।

4

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वॉन थ्यूनेन के कृषि भूमि-उपयोग मॉडल की आधारभूत मान्यताओं का परीक्षण कीजिये।

Examine the basic assumptions of Von Thunen's agricultural land-use model.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वॉन थ्यूनेन ने 1826 ई. में अपनी पुस्तक 'The Isolated State' में कृषि भूमि-उपयोग मॉडल की प्रतिपादित किया।

उन्होंने आर्थिक लगान के सिद्धांत के आधार पर बताया कि किसी शहर के चारों ओर भूमि-उपयोग 6 मुख्य पैटर्नों में पाया जाता है।

- ① सब्जियों, फूलों व फलों की खेती वाली पैरी
- ② लकड़ी के उत्पादन की पैरी
- ③ गहन खाद्य उत्पादन की पैरी
- ④ खाद्य उत्पादन परन्तु कुछ भूमि परती वाली पैरी
- ⑤ 1/3 भाग भूमि परती के साथ कृषि वाली पैरी
- ⑥ भूमि उत्पादन की पैरी

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या में अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

वॉनथ्यूनेन की भा-पताएं

- (i) संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र समतल व समान है
 तथा सभी जगह ^{भूमि की} उत्पादकता समान है
 ↳ पल्क भूमि उत्पादकता सभी जगह समान नहीं होती
- (ii) परिवहन के साधन के ~~वर्ष~~ में निम्न छोड़गाड़ी को भा-पता
 ↳ वर्तमान में परिवहन के आधुनिक साधनों की उपलब्धता
- (iii) परिवहन लागत का स्तर के अनुपात में वृद्धि
 ↳ वर्तमान में परिवहन लागत में स्तर के अनुपात में कमी होती है
- (iv) मानव आर्थिक लोच वाला है
 ↳ पल्क सर्वथा ऐसा नहीं होता।

(6)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Good

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) रिटर की 'विभिन्नता में एकता' की संकल्पना क्या है?

What is Ritter's theory of 'Unity in Diversity'?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रिटर ने प्रादेशिक भूगोल के संघर्ष में कहा कि प्रदेशों में विभिन्नताएं पायी जाती हैं परन्तु उनमें अनेक समानताएं भी पायी जाती हैं। जिनके कारण विभिन्नता में एकता प्रदर्शित होती है।

पूर्ण तरह लिखें

(d) भूगोल में हार्टशोर्न द्वारा वर्णित 'प्रादेशिक उपागम' क्या है?

What is 'regional approach' in Geography by Hartshorne?

हार्टशोर्न ने अपनी पुस्तक 'The Nature and perspective of Geography' में अपने सिद्धांत का प्रतिपादन किया

- भूगोल में प्रदेश एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है तथा प्राचीन काल से ही भूगोल के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य प्रदेशों का वर्णन रहा है।
- प्रत्येक प्रदेश विशिष्ट तथा ~~आत्मपास~~ क्षेत्रों से विभिन्न होता है।
- प्रदेश अपने आत्मपास के प्रदेशों से निर्ंतर अंगिकता करना रहता है।
- प्रदेश में अंदर की तरफ जाने पर समत्वता।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में दृष्टि जबकि बाहर की ओर जाते पर समरूपता में कमी होती है।

ऑप्टिकल यूजोल
क मानव यूजोल
में दृष्टि को
नकारते हुए
प्राकृतिक तत्वों
सामाजिक
तत्वों की
संश्लिष्ट व्याख्या
की। साथ ही
मानव द्वारा प्राकृतिक
दशाओं में परिवर्तन
को प्रवेश के अभिप्रेत
में प्रवृत्त माना

- केवल विभिन्नताओं पर ध्यान → समानताओं पर नहीं
- दृष्टि की संकल्पनाओं का गलत अनुवाद

विषय वस्तु को और समृद्ध बनाने का प्रयास कीजिये।

4.5

(c) 'द्वितीय जनान्किकीय संक्रमण सिद्धांत' से आप क्या समझते हैं?
 What do you understand by 'Second Demographic Transition Theory'?

जनान्किकीय संक्रमण की द्वितीय अवस्था
 की द्वितीय जनान्किकीय संक्रमण सिद्धांत कहते हैं

विशेषताएं

- जनक दर = 2.1 या अधिक। जबकि भूखण्ड पर में 2.0 की
- जनसंख्या का धीरे-धीरे बढ़ना

मॉडल उत्तर देखें।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
 (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अंकित न करें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) "समकालीन होने के नाते हम्बोल्ट और रिटर में कुछ समानताएँ मिलना स्वाभाविक है परंतु कुछ महत्वपूर्ण असम्मतियाँ भी स्पष्ट होती हैं।" कथन की व्याख्या कीजिये। 15
 "Being contemporaries, it is natural to find similarities between Humboldt and Ritter but there are some major disagreements too". Elucidate the statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
 (Please don't write anything in this space)

हम्बोल्ट और रिटर ने भूगोल के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है तथा भौगोलिक चिंतन के इतिहास में अपनी भूमिका का निर्वहन किया है।

हम्बोल्ट ने संपूर्ण विश्व का भ्रमण करके अपनी पुस्तक 'सैंसॉय' के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। रिटर ने अपनी पुस्तक 'अंड कुण्टे' के माध्यम से भूगोल के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए हैं।

दोनों भूगोलवेत्ताओं के समकालिक होने के कारण दोनों में कुछ निम्नलिखित समानताएँ देखने की मिलती हैं।

(i) दोनों भूगोलवेत्ताओं का मानना था कि

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भौगोलिक पर्यावरण का मानव के विकास, चित्र तथा सभ्यता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है तथा मानव इसके द्वारा निर्मित किया जाता है। इन प्रकार स्पष्ट है कि वे दोनों ही 'निश्चयापत्त' के समर्थक थे।

(ii) इसी के साथ उनका ये भी मानना था कि भौतिक भूगोल ही भूगोल का मुख्य अंग है तथा भौतिक परिघटनाओं का ज्यादा महत्व है। रिटर का मानना था कि यूरोप में विभिन्न क्षेत्रों में असमान विकास का कारण जलवायु में असमानता का होना है।

परन्तु इसी के साथ उन दोनों के विचारों में अनेक असदृशताएँ भी देखने की मिलती हैं जो निम्नलिखित हैं—

(i) हम्बोल्ट मूलतः क्रमबद्ध भूगोल (systematic Geography) का समर्थक था जिन्होंने

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अविवेकित न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

एक भौगोलिक तत्व को लेकर विश्व के अनेक भागों का विश्लेषण किया। परन्तु कार्ल रिटर प्रादेशिक भूगोल के समर्थक थे जिन्होंने एक प्रदेश को इकाई मानकर अनेक भौगोलिक तत्वों का विश्लेषण किया।

(ii) एम्बोले अरुण रूप से प्रत्यक्ष प्रेक्षण या प्रभाव के आधार पर भौगोलिक विचार प्रस्तुत करते थे जबकि रिटर केवल सैद्धांतिक अध्ययन या अपने ~~अनुभव~~ आसिद्ध में सैद्धांतिक के आधार पर अपने विचार व्यक्त करते थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि एम्बोले व कार्ल रिटर के विचारों में अनेक समानताएं एवं अनेक असमानताएं व्याप्त थीं।

अल्प प्रमुख
इंतरो को भी
संक्षेप में बता
सकते हैं।

9.5

good

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'क्रान्तिक आइसोडापेन' क्या है? वेबर के औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में इसे किस प्रकार विश्लेषित किया गया है?

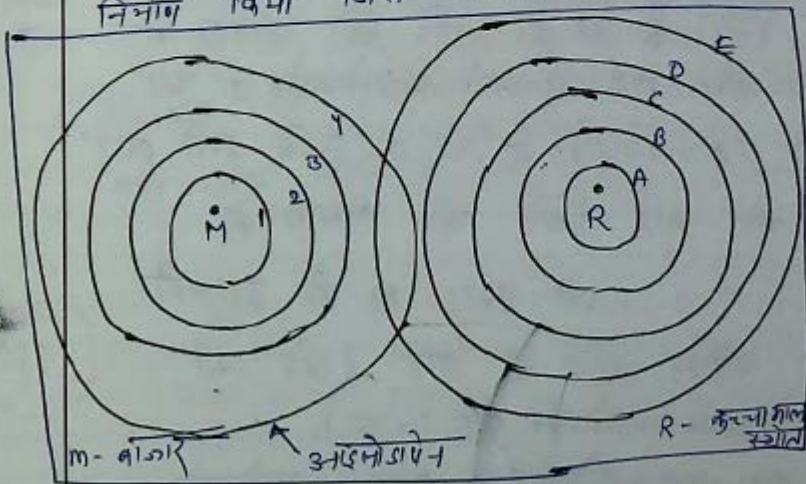
20

What is 'Critical Isodapane'? How it has been analysed in Weber's theory of industrial location?

20

अल्फ्रेड वेबर ने वर्ष 1909 में औद्योगिक अवस्थिति का सिद्धांत प्रतिपादित किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि उद्योग वहां पर स्थापित किए जाते हैं जहां पर परिवहन की लागत-प्रत्यक्ष है।

इसी प्रकार उन्होंने समान परिवहन लागत वाले बिन्दुओं को जोड़कर रेखाओं का निर्माण किया जिसे आइसोडापेन की संज्ञा दी गई।



वेबर ने श्रम के सांश्रुतिकरण का लाभ प्राप्त करने के लिए उद्योग को कच्चे माल

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

की स्तरीय या बाजार की के स्थान पर स्थापित करने के लिए स्थान पर वहां स्थापित करने का सुझाव दिया जाता है पर श्रम की लागत सस्ती है। इसलिए उन्होंने ऐसी आइसोडोपैन् रेखा का चयन किया जहां परिवहन की कुल आतिरिक्त लागत श्रम की लागत में वृद्धि से बराबर या कम है। इस रेखा को 'क्रांतिक आइसोडोपैन्' की संज्ञा दी गई।

उन्होंने उदाहरण के माध्यम से इसे समझाने का प्रयास किया। जैसे

10 रुपये से दूर-जाने पर परिवहन लागत में वृद्धि होगी - जैसे आइसोडोपैन् 1 पर आगे भी वृद्धि देखने की मिलती है।

इसी प्रकार 19 से दूर जाने पर भी परिवहन लागत में वृद्धि देखने की मिलती है (प्रत्येक आइसोडोपैन् पर 10 रु.)

इस प्रकार आइसोडोपैन् 4 तथा आइसोडोपैन् 5 के प्रातिच्छेद स्थानों पर परिवहन की कुल

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

लागत (40 + 50 = 90 रुपये) होगी। अर्थात्
 2) यहां उद्योग स्थापित करने पर परिवहन की
 0) लागत 90 रुपये ज्यादा आसगी। यदि

यदि उस स्थान पर श्रम की लागत

में 90 रुपये से ज्यादा की वृद्ध होती है
 तो उद्योग को उस स्थान पर स्थापित कर
 दिया जाएगा और वह आइसोडोपेन क्रात्रिक
 आइसोडोपेन कहलाती है।

इस प्रकार क्रात्रिक आइसोडोपेन की
 संकल्पना को उन्होंने 'उद्योगों के संघटीकरण' का
 लाभ प्राप्त करने में भी प्रमुख किया।

good

11

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- (c) जनसंख्या का माल्थसवादी दृष्टिकोण क्या है? नवमाल्थसवादी क्यों और कैसे इसकी पुनर्व्याख्या करते हैं? 15
- What is Malthusian approach of population? Why and how Neo-Malthusians re-interpret it? 15

रॉबर्ट माल्थस ने अपने शोधपत्र 'डिथोरी ऑफ सैम्ले पॉप्यूलेशन' के माध्यम से जनसंख्या के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं।
माल्थस की दो मान्यताएँ थीं।

- (i) जीवन निर्वाह के साधनों में साधारण (Arithmetic) वृद्धि होती है जैसे 1, 2, 3, 4 - - - 1 जबकि जनसंख्या में गुणात्मक (Geometric) वृद्धि अर्थात् 1, 2, 4, 8, 16 - - - 8 होती है।
- (ii) मानव की मौन प्रकृति इसी प्रकार बनी रहेगी।

उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद जनसंख्या के तथा संसाधनों के मध्य अंतराल में इतनी वृद्धि हो जाएगी कि प्रकृति को अपने उत्पादों जैसे खाद, सूजा, महामारी इत्यादि के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण करना पड़ेगा।

माल्थस ने दो प्रकार के निरीक्षणों

कृपय इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपय इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

का वर्णन किया है -

सकारात्मक निरोध - गर्भपात, गर्भनिरोधकों का प्रयोग।

नकारात्मक निरोध - प्राकृतिक आपदाएं, महामारी इत्यादि

परन्तु अनेक विद्वानों ने निम्नलिखित आशयों पर भाल्छप के सिद्धांत की आलोचना की -

(i) संसाधनों में हुई तकनीकी विकास पर निर्भर करती है अर्थात् यह सदा गणितीय (Mathematic) रूप में नहीं होती

(ii) भाल्छप ने सकारात्मक निरोधों (गर्भपात इत्यादि) को धर्म के विरुद्ध मानकर नकार दिया है जबकि वर्तमान में जनसंख्या नियंत्रण में इनका अहम योगदान है। इत्यादि

इन्हीं आलोचनाओं की प्रतिक्रिया में नवभाल्छपवादियों ने इस सिद्धांत की पुनर्परिष्कार करने का प्रयास किया है तथा इसमें सुधार

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किया हैं।

नवभारतवादिनों के पुद्धार -

- (i) इन्होंने संसदों की वृद्धि की तकनीकी प्रगति से जोड़ने का प्रयास किया है।
- (ii) इन्होंने कृत्रिम गर्भनिरोधक, गर्भपात इत्यादि की भी स्वीकार किया है।
- (iii) इन्होंने बताया कि जनसंख्या की कुशल व उत्पादक बनाकर इसको संसाधन के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।

Good

10

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण बताते हुए भूगोल विषय में इसके महत्व का मूल्यांकन कीजिये। 15
Explaining the salient features of system analysis, evaluate its significance in Geography. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भूगोल में तंत्र विश्लेषण की जीव विज्ञान से ग्रहण किया गया है जिसमें भौगोलिक परिघटनाओं की तंत्र मानकर उनका विश्लेषण करने का प्रयास किया गया।

तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण :

- (i) भौगोलिक तंत्र दो प्रकार के होते हैं - (i) बुला तंत्र (ii) बंद तंत्र
(ii) तंत्र विश्लेषण में भौगोलिक तंत्र को अनेक धरकों में विभाजित कर उनके बीच में व्याप्त अंतर्संबंधों का अध्ययन करने का प्रयास किया जाता है।
(iii) तंत्र विश्लेषण के दौरान भौगोलिक तंत्र में व्याप्त जटिलताओं को सरल करने का प्रयास किया जाता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

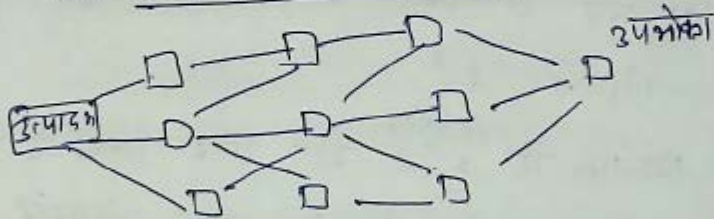
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

काष्म कातावस्था को खे खोंकेंदो की कर्ताएं

(iv) जटिल संज्ञ की अनेक परल त्वों में मा उपरों में गीकर विश्लेषण कते का प्रमाद किा जाता है।

(v) जैसे मानव शरीर में अनादन संज्ञ ~~स्वतंत्र~~ एव अलग संज्ञ हैं पान्द उलका अनेक संज्ञों के साथ अंतर्गन्ध व्याप्त है। इसी प्रकार के सिर्हात का प्रयोग भूगोल में भी किा जाता है।
जैसे जाय जाल का विश्लेषण



चित्र: जाय जाल

संज्ञ विश्लेषण के आगमन के पश्चात भूगोल के जटिल सिर्हातों एवं परिघटनाओं की समझना आसान हो गया है। इससे समझ एवं

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या से अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

धन की वचन होगी है। कंप्यूटर के आगमन के पश्चात इन तंत्रों की कंप्यूटर की भाषा में बालक आसानी से कम समय में विश्लेषण किया जा सकता है।

इस प्रकार जहां तंत्र विश्लेषण भूगोल विषय की आसान व रोचक बनाया है ~~कि~~ वही एक समस्या यह भी है कि सजी प्राकृतिक परिघटनाओं का स्टीक विश्लेषण इन तंत्रों के विश्लेषण से नहीं हो पाता + प्रोसि तंत्र विश्लेषण कुछ भा-घटाओं पर आधारित होने हैं जो क्षम प्रतिशत प्राय नहीं होती हैं।

9

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भूगोल में मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षणों की चर्चा करते हुए मॉडल्स का सामान्य वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिये।

15

Discuss the main features of models in geography and present a general classification of models.

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

फ्रांस में भूगोल विषय वर्धात्मक

विषय होता था परन्तु आजकाल के अर्थशास्त्र के आगमन के पश्चात् अनेक मॉडलों का विकास किया गया। वस्तुतः मॉडल किसी भौगोलिक परिदृश्य या सिद्धान्त का सरलीकृत रूप होता है जिसमें अनेक भाषणाओं का उल्लेख किया जाता है।

मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षण निम्नालिखित होते हैं—

- (i) मॉडलों में अनेक भाषणाओं का उल्लेख किया जाता है जो वास्तविक दृश्य पर हमेशा पूर्णतया सत्य नहीं होती। जेफी वेबर ने अपने औद्योगिक अवस्थिति सिद्धान्त में माना है कि प्रदेश विलग (Isolated) होना चाहिए जो पूर्णतया सत्य नहीं होता अर्थात् प्रत्येक प्रदेश

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अन्य प्रदेशों के साथ जुड़ा होता है तथा उनके साथ निरंतर अंतर्क्रिया करता है।

(ii) मॉडल में भौगोलिक जटिलताओं को सरल करके या आदर्शरूप में मानकर समझा जाता है जैसे वॉन थ्यूनेन ने कृषि पैटर्नों को कृत्रिम माना है जो पूर्णतया सत्य नहीं हैं।

(iii) मॉडल में अनावश्यक व कम महत्व वाले तत्वों को छोड़कर केवल मुख्य तत्वों का ही विश्लेषण किया जाता है जैसे गुरुत्वकर्षण मॉडल में केवल नगरों की जनसंख्या व उनके बीच दूरी को ही प्रकाश के लिए महत्वपूर्ण माना है जबकि प्रकाश के लिए अन्य कारक भी जिम्मेदार होते हैं।

भूगोल विषय में अनेक प्रकार

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दो भौंडों का निर्भाव किया गया जिनका सामान्य वर्गीकरण निम्नलिखित हैं—

(i) अर्थशास्त्रीय भौंडल -

- ↳ वॉन थ्यूनेन का भौंडल
- ↳ वेबर का भौंडल

(ii) नगरीय विकास के भौंडल -

- ↳ प्राइमेट सिटी भौंडल
- ↳ प्रवास के अनेक भौंडल - Ex. रेनेसरोन

(iii) विकास के भौंडल

- ↳ पेर्रोमन व बेडविले का भौंडल
- ↳ डिस्ट्रिक्ट व लॉश का भौंडल

(iv) भौगोलिक भौंडल - (Geomorphological model)

- ↳ डेविड, पेंस, सिंग का भौंडल

(v) जलवायु के भौंडल -

- ↳ कोपेन, दिवार्चा, थार्नथोरे के भौंडल

इत्यादि

कक्षादिष्ट

- 1) स्केल भौंडल
- 2) सिग्म्युलेटन भौंडल
- 3) अतितीव्र भौंडल
- 4) शान्तिपत्र
- 5) स्मोकॉस्टिफ भौंडल

5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बोडोविले की 'वृद्धि केंद्र' की अवधारणा क्या थी? वर्तमान परिस्थिति में इसे किस प्रकार अधिक प्रासंगिक कहा जा सकता है? विश्लेषण करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

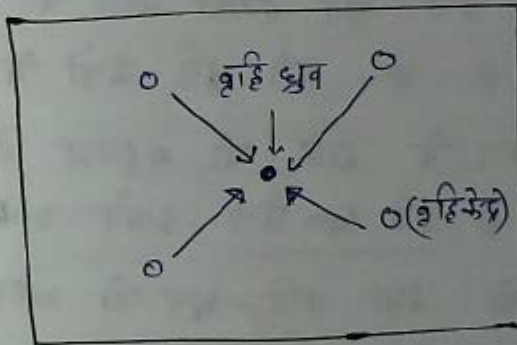
(Please don't write anything in this space)

What was 'growth centre' theory of Boudeville? How it may be termed as relevant at present? Analyse.

भूगोलवेत्ता पेरोक्स ने वृद्धि ध्रुव

का सिद्धांत प्रतिपादित किया था तथा इसी के साथ बोडोविले ने 'वृद्धि केंद्र' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था।

बोडोविले ने कहा था कि वृद्धि ध्रुव की संरचना के लिए अनेक 'वृद्धि केंद्र' होते हैं जो विकेन्द्रीकरण का सूचक होते हैं।



इन्होंने यह भी बताया कि जब वृद्धि ध्रुव पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता है तो वृद्धि केंद्र उस जनसंख्या का

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या को अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

समावेशन करके विकास ध्रुव की महामता करते हैं। इसी प्रकार का उदाहरण भारत में राजधानी दिल्ली के आसपास देखा जाता है। जब दिल्ली में जनसंख्या व उद्योगों की भांजा में बृद्धि हुई तो उसके विकेन्त्रीकरण के लिए दिल्ली के आसपास गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेरठ जैसे विकास ध्रुवों का निर्माण हुआ।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि जहां ~~विकास~~ बृद्धि ध्रुव तृतीयक प्रकार के रूप में किए जाते हैं तो वहीं बृद्धि केन्द्रों में द्वितीयक प्रकार के कार्यों की बहुलता देखने को मिलती है। बृद्धि केन्द्र अपने आसपास के क्षेत्रों से तथा बृद्धि ध्रुव से अच्छी तरह से जुड़े होते हैं तथा महत्वपूर्ण की भूमिका का निर्वहन करते हैं।

कृपया इस स्थान में प्रश्न
संख्या के अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

(Please do not write
anything except the
question number in
this space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

इसी के साथ जब वृद्धि ध्रुवों में भूमि का
ध्रुव बढ़ता है तथा मरुस्थल में वृद्धि होती है
तो भी वृद्धि रेखाओं के निर्माण की प्रवृत्ति देखी
जाती है।

परिमाण परिवर्तन
में वृद्धि केन्द्र की
प्रभावितता का एक अभ्युक्त नीति एवं कार्यक्रमों की
व्यापक रूप में होती है जो अविव्योक्तों को तथा क्षेत्र की सभी
रक्षा की जिम्मे
आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

परन्तु वृद्धि रेखाओं के निर्माण के लिए
एक अभ्युक्त नीति एवं कार्यक्रमों की प्रभावितता
व्यापक रूप में होती है जो अविव्योक्तों को तथा क्षेत्र की सभी
रक्षा की जिम्मे
आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

8.8



भूगोल (वैकल्पिक विषय) (माड्यूल-I)

(भू-आकृति विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मानव भूगोल में संदर्श,
मॉडल, सिद्धांत एवं नियम और जैव भूगोल)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.